● **गाओ और समझो :**

५. एक चपाती

–रमेश तैलंग

जन्म : २ जून १९४६, टीकमगढ़(मध्यप्रदेश) **रचनाएँ :** हिंदी के नए बालगीत उड़न खटोले, एक चपाती और अन्य बालकविताएँ आदि।
परिचय : आप १९६५ से प्रमुख राष्ट्रीय दैनिकों में लेखन कर रहे हैं।
इस कविता में चपाती और बिल्ली के बीच घटी मजेदार घटना को हास्य रूप में व्यक्त किया है।

ताती–ताती एक चपाती
दिखी तवे पर पेट फुलाती
बिल्ली मौसी बोली–''म्याँऊँ !
भूख लगी, मैं तुझको खाऊँ।''
सुनकर उछली दूर चपाती,
बोली फिर आँखें मटकाती–
''मौसी पहले मक्खन ला।
फिर चाहे मुझको खा जा।''
देख चपाती की ठनगन,
बिल्ली ले आई मक्खन।
गुर्राकर फिर बोली–''म्याऊँ !
अब तो मैं तुझको खा जाऊँ?''
सुनकर उछली दूर चपाती,
बोली फिर आँखें मटकाती–

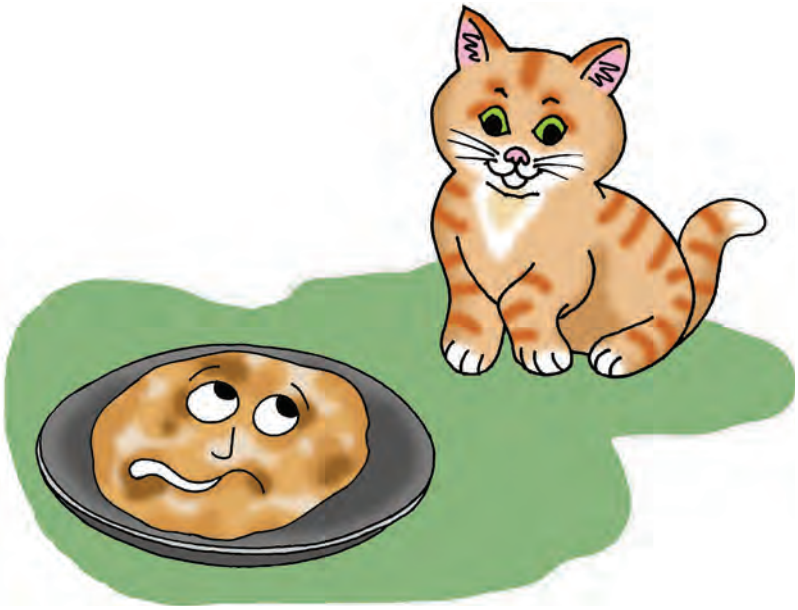

''हाँ, हाँ, पहले गुड़ तो ला।
फिर चाहे मुझको खा जा।''
बिल्ली चल दी गुड़ लाने।
लगी लौटकर झुँझलाने।
''म्याऊँ ! म्याऊँ ! म्याऊँ !
अब मैं खाऊँ। अब मैं खाऊँ''
मन ही मन में गढ़ी चपाती,
सोचा–'अब तो मरी चपाती।'
चिढ़कर बोली–'खा नकटी।'
बिल्ली गुस्से में झपटी।
कमरे में आते ही माँ के,
बिल्ली भागी दुम दबा के
आँख खोल चपाती मुस्काई,
माँ ने उसकी जान बचाई।

KPUBRP

❑ विद्यार्थियों से एकल एवं सामूहिक कविता पाठ कराएँ। प्रश्नोत्तर के माध्यम से बिल्ली और चपाती के बीच हुए संवादों को स्पष्ट करें। उन्हें बाल–जगत से संबंधित अन्य किसी कल्पना के प्रति बाल मनोभाव व्यक्त करके प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करें।